



पढ़ें भारत हर खबर सच के साथ

आज तक आमने-सामने



मनदीप कोर, न्यूज़ एडिटर

पंजाब, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली एवं हरियाणा

Email : aaajatakaamnesaamne.in@gmail.com

RNI No-Punhin2013/54688

25 NOVEMBER 2025

एस.के.सक्सेना, मुख्य संपादक

मुल्य : 5 रुपये

साल 2025 / संपादक एसके सक्सेना / www.aaajatakaamnesaamne.com / Help Line 9878552070



350वां शहीदी दिवस

श्री गुरु तेग बहादुर जी

भाई मती दास जी,
भाई सती दास जी,
भाई दयाला जी

श्री आनंदपुर साहिब में होने वाले
समागमों का विवरण

श्री अमृतसर साहिब अंदरुन सिटी, तलवंडी साबो और
श्री आनंदपुर साहिब को पवित्र शहर
का दर्जा दिया गया

25 नवंबर, 2025

श्री अखंड पाठ साहिब के भोग
की संपूर्णता

राज्य स्तरीय रक्तदान मुहिम

3.50 लाख पौधे लगाने की
राज्य स्तरीय मुहिम

गुरुवाणी कीर्तन

सरबत दा भला एकत्रता

ड्रोन शो

शहीदी दिवस को समर्पित पंजाब सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम और पहलकदमियां

- पंजाब सरकार द्वारा नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस को समर्पित विभिन्न राज्यों में कार्यक्रम आयोजित किए गए
- कार्यक्रमों की शुरुआत गुरुद्वारा श्री शीश गंज साहिब, नई दिल्ली से की गई
- गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब में विशाल कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया
- श्री गुरु तेग बहादुर जी के चरण-स्पर्श प्राप्त 142 गांवों और शहरों के विकास के लिए 71 करोड़ रुपये प्रदान किए गए। प्रत्येक गांव और शहर को 50 लाख रुपये दिए गए
- 1 नवंबर से पंजाब के सभी जिलों में लाइट एंड साउंड शो आयोजित किए गए, जो अब श्री आनंदपुर साहिब में करवाए जा रहे हैं, जिनमें श्री गुरु तेग बहादुर जी के महान जीवन और दर्शन को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया
- गुरु साहिब जी के चरण-स्पर्श प्राप्त नगरों और शहरों में कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किए गए
- 18 नवंबर को श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में कीर्तन दरबार आयोजित किया गया। 19 नवंबर को श्रीनगर से नगर कीर्तन सजाया गया। 20 नवंबर को तलवंडी साबो, फरीदकोट और गुरदासपुर से तीन नगर कीर्तन सजाये गये। ये चारों नगर कीर्तन 22 नवंबर की शाम और 23 नवंबर को अमृत वेले के समय श्री आनंदपुर साहिब पहुँचकर सम्पन्न हुए।
- श्री आनंदपुर साहिब में बड़ी संख्या में पहुँचने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए टेंट सिटी बनाई गई, जिसका नाम 'चक्क नानकी' रखा गया है
 - इस पवित्र नगरी में सर्व-धर्म सम्मेलन आयोजित किया गया
 - गुरु साहिब के जीवन और दर्शन को दर्शाती प्रदर्शनी और ड्रोन शो आयोजित किए गए
 - कीर्तन दरबार, कथा, गतका और गाइडेड टूर का आयोजन किया गया

आइए, श्री आनंदपुर साहिब में नतमस्तक हों

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब

संपादकीय

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

क्लास 3 के बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को ज़रूरी बनाना जल्दबाज़ी होगी। यह बच्चों के कॉग्निटिव, मेंटल और इंटेलेक्टुअल डेवलपमेंट का दौर है। स्कूलों को बच्चों के लिए अच्छा एजुकेशनल माहौल बनाना चाहिए, जहाँ डिसिप्लिन सादगी, जिज्ञासा और मस्ती को बढ़ावा दे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आ गया है, और ऐसा लगता है कि आपको और मुझे भी कभी न कभी इसके साथ समझौता करना ही होगा। फिर भी, मुझे इस बात से परेशानी होती है कि क्लास 3 के स्टूडेंट्स (जो नौ साल से कम उम्र के हैं) को भी अब ढ़्ठ को एक ज़रूरी सब्जेक्ट के तौर पर सीखना होगा। सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन ने 2026-27 एकेडमिक सेशन से क्लास 3 के बाद सभी स्टूडेंट्स को इसे पढ़ाने का फैसला किया है। इस कदम की अहमियत को समझने के लिए, या जिसे शिक्षा मंत्रालय मॉडर्न हिस्ट्री के सबसे अहम करिकुलम रिफॉर्म्स में से एक कह रहा है, ज़दिगी की लय से जुड़े दो मुद्दों पर विचार करना ज़रूरी है- टेक्नोलॉजी, कल्चर और पेडागॉजी। सबसे पहले, यह समझना ज़रूरी है कि



इस अल्ट्रा-मॉडर्न समय में, हम लगभग हर नई टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन को अपनाने के लिए मजबूर हैं — और अक्सर, बिना किसी हिचकिचाहट के। हालाँकि, यह मजबूरी अक्सर एक तरह के लालच में बदल जाती है। तीन साल के बच्चों को भी स्मार्टफोन से खेलते देखना कोई नई बात नहीं है; और इस स्क्रीन की लत की वजह से, उनके लिए खुले, बड़े आसमान को देखना, पेड़ देखना, किसी चिड़िया की उड़ान से खुश होना, या फूल या तितली की लयबद्ध फड़फड़ाहट महसूस करना मुश्किल होता जा रहा है। हाँ, टेक्नोलॉजिकल डिवाइस उनकी आत्मा में बस गए हैं। चूँकि हम ज़दिगी के लगभग हर हिस्से में टेक्नोलॉजी की इस घुसपैठ को हल्के में लेने लगे हैं, इसलिए यह कोई हैरानी की बात नहीं है कि एक्स्ट्रश् भी मानता है कि क्लास 3 जितने छोटे बच्चों को भी पीछे नहीं रहना चाहिए, और उन्हें खेल-खेल में/इंटरैक्टिव तरीकों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसकी बेसिक बातें सीखनी चाहिए। तो फिर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसको कौन मना कर सकता है, खासकर जब टेक-कॉर्पोरेट एलीट और मार्केट से चलने वाली एडवरटाइज़िंग मशीनरी हमें लगातार इसके क्रांतिकारी पोटेंशियल की याद दिलाती रहती है? और शायद, कई एम्बिशियस पेरेंट्स को यह भी लगता है कि इस तेज़ी से बदलती दुनिया में, अगर उनके बच्चे शुरू से ही ढ़्ठ के साथ कम्पर्टेबल नहीं हुए, तो वे पीछे रह जाएंगे और डेटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स और डिज़ाइन इनोवेशन जैसे नए उभरते फील्ड्स के साथ तालमेल बिठाने में फेल हो जाएंगे! हालांकि, इस टेक्नोलॉजी के आकर्षण के बीच, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एजुकेशन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसके इस्तेमाल के बारे में हर चीज़ ज़रूरी नहीं कि अच्छी ही हो। बड़े IITs और IIMs के प्रोफेसरों ने इस ट्रेंड पर गंभीर चिंता जताई है। हाल ही में, IIT-दिल्ली के डायरेक्टर प्रोफेसर रंजन बनर्जी ने अपने स्टूडेंट्स को याद दिलाया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर बहुत ज्यादा डिपेंडेंस क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स जैसे ज़रूरी लर्निंग आउटकम्स में रुकावट डाल सकती है। इसी तरह, ढ़्ठरूष्ठा में, जैसा कि एक प्रोफेसर ने गहरी चिंता के साथ देखा है, कुछ स्टूडेंट्स फील्ड स्टडीज़ तैयार करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म्स से रिक्रेस्ट कर रहे हैं। असल में, जब ये होशियार स्टूडेंट्स अपनी क्रिटिकल/क्रिएटिव थिंकिंग को छोड़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मीडिएटेड असाइनमेंट तैयार करने के लिए ललचाते हैं, तो वे खुद को उन चीज़ों से दूर कर रहे होंगे जो उन्हें इंसान बनाती हैं- उनकी इंडिविजुअलिटी, उनकी एजेंसी, उनका एक्सपीरिएंशियल नॉलेज, उनकी इम्पर्फेक्शन्स, उनकी कड़ी मेहनत, और सबसे बढ़कर, गलतियाँ करने का उनका अधिकार। इसे स्वीकार करें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की इतनी तारीफ के पीछे एक कड़वी सच्चाई है। जैसा कि इज़राइली इतिहासकार युवल नोआ हरारी हमें चेतावनी देते हैं, इससे ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है जिसमें इंसान अपने आविष्कारों पर से कंट्रोल खो देंगे। सबसे पहले, आइए यह समझें कि कोई भी टेक्नोलॉजी स्कूलिंग का मतलब बदले बिना बच्चों में एक्टिव लर्निंग में दिलचस्पी नहीं जगा सकती। स्कूलों को जेल न बनने दें; स्कूलों को हमारे बच्चों को इस हद तक बांधने न दें कि वे अपनी मासूमियत, जिज्ञासा, हैरानी और चंचलता खो दें।बेशक, उन्हें कुछ बेसिक मैथ सीखने की ज़रूरत है। उन्हें पढ़ना, लिखना और खुद को एक्सप्रेस करना सिखाया जाना चाहिए। उनके लिए पार्टनरशिप बनाना, दूसरों से जुड़ना और ग्रुप में काम करना सीखना भी ज़रूरी है।

आज तक आमने सामने

RNI NO -PUNJHINO/2013/54688
Printed by Mandeep Kaur, Published by Mandeep Kaur, Owned by Mandeep Kaur & Printed at Dashmash Printers 178-179 Ranjit Nagar, Jalandhar City, Published 87 Ranjit Nagar Near Bus Stand, Jalandhar, Punjab
Editor Surinder Kumar (SK Saxena)
Responsible for selection of News under the PRB ACT.
All Rights Reserved Reproduction in whole or in Part without Permission in Prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar Jurisdiction only
Fax# No. : 0181-5024001, Conact No : 0181-5077100

आवश्यक सूचना

आज तक आमने-सामने का इस समाचार पत्र में मुद्रित वज़्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफ़ाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दावित्व नहीं है। महारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता। पाठकों से अनुरोध है कि वे इन वज़्ञापनों पर कार्रवाई करने से पूर्व सभी तथ्यों की स्वतं पुष्टि कर लें।
-प्रधान संपादक

ख़बरनामा

25 November 2025

2

समृद्ध लोक संस्कृति का अहसास करवाता है हरियाणा पवेलियन-राजनाथ सिंह

हरियाणवी ठाट–बाट को देखकर दंग रह गए रक्षा मंत्री

एस . के . सक्सेना

कुरुक्षेत्र, वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक 24 नवम्बर = भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को ‘हरियाणा पवेलियन’ का विधिवत शुभारंभ किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उनके साथ गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल, हरियाणा सरकार के मंत्री कृष्ण बेदी, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, के.डी.बी सीईओ पंकज सेतिया, के.डीबी मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर चौधरी, डॉ. ऋषिपाल, डॉ. सलोनी दिवान, डॉ. कुलदीप आर्य समेत कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। हरियाणा पवेलियन में पहुंचने पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल सिंह ने देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत किया। हरियाणा की मान-सम्मान की प्रतीक पगड़ी पहनाकर उनका अभिवादन किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हरियाणा पवेलियन का विधिवत उद्घाटन



करने के बाद कहा कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय ‘स्वधर्म’ और ‘कर्तव्यनिष्ठा’ का वैश्विक मंच है। हरियाणा पवेलियन के माध्यम से देश-विदेश से आए लोगों को यह समझने का मौका मिलेगा कि कैसे हरियाणा की संस्कृति और जीवनशैली में भी गीता के कर्मयोग और त्याग का दर्शन समाहित है।इन उन्होंने यह भी कहा कि यह हरियाणा पवेलियन आधुनिकता के साथ अपनी जड़ों को जोड़ने का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो ‘एक भारत, श्रेष्ठ भारत’ की संकल्पना को बल देता है। पवेलियन में हरियाणवी ठाट–बाट

को देखकर रक्षा मंत्री दंग रह गए। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की खुले दिल से प्रशंसा की और कहा कि हरियाणा प्रांत व विश्वविद्यालय प्रगति की राह पर अग्रसर है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शिक्षा व संस्कृति के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में तैयार किए गए हरियाणा पवेलियन को हरियाणा की पारंपरिक, सांस्कृतिक, और आध्यात्मिक पहचान को एक ही छत के नीचे समेटने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। हरियाणा

पवेलियन आंगतुकों को हरियाणा राज्य की जीवनशैली और परंपराओं से रूबरू होने का बेहतरीन मौका देगा। यह पवेलियन अब अगले कुछ दिनों तक गीता महोत्सव की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को उजागर करते हुए आंगतुकों के लिए खुला रहेगा। पवेलियन में हरियाणा की समृद्ध लोक सांस्कृतिक विरासत, ग्रामीण शिल्पकला, और हथकरघा उत्पादों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। यहाँ पर्यटक के लिए हरियाणा के गोपीण जीवन, प्रादेशिक खान–पान, स्टार्टअप के स्टाल लगाए गए हैं, साथ ही कृषि–आधारित नवाचारों और आधुनिक हरियाणा की प्रगति को दर्शाने वाले मॉडल भी प्रस्तुत किए गए हैं। पवेलियन के भीतर लगभग 70 स्टालों में लगाई गई कलाकृतियाँ, मॉडल, और शिल्पकारों के लाइव डेमो आंगतुकों को हरियाणा की ‘मिट्टी की खुशबू’ का अनोखा अनुभव कराएंगे। हरियाणा पवेलियन में इस बार आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की संकल्पना के स्वरूप नवाचार एवं उद्यमिता द्वारा स्वदेशी उत्पाद की प्रदर्शनी के माध्यम से स्वदेशी जागरण अभियान को गति मिलेगी।

सतगुरु कबीर भवन वेलफेयर सोसायटी (रजि.) 120 फीट रोड की ओर से पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग को दिया गया मांग पत्र

सतगुरु कबीर महाराज जी का स्वरूप भेंट कर पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग में स्थापित करने की मांग

पंकज

जालंधर, 24 नवंबर, 2025। सतगुरु कबीर भवन वेलफेयर सोसायटी (रजि.) 120 फीट रोड, जालंधर की ओर से एक प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी से उनके कार्यालय में भेंट कर एक मांग पत्र सौंपा। इस दौरान कमेटी ने आदरणीय सतगुरु कबीर महाराज जी का पवित्र स्वरूप चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी को भेंट किया और विनम्र निवेदन किया कि इसे आयोग के मुख्य कार्यालय में प्रतिष्ठापित किया जाए।

इस अवसर पर सोसाइटी ने विनम्रतापूर्वक अनुरोध किया कि चेयरमैन के सरकारी कार्यालय में विभिन्न गुरु महाराजों के पवित्र स्वरूप स्थापित हैं, परंतु सतगुरु कबीर महाराज जी का स्वरूप अभी तक नहीं लगाया गया है। इसको ध्यान में रखते हुए सोसाइटी की ओर से सतगुरु कबीर महाराज जी का पवित्र स्वरूप उन्हें भेंट किया गया, ताकि उसे कार्यालय में



स्थापित कर कबीरपंथी/मेघ समाज को सम्मान प्रदान किया जा सके। प्रतिनिधियों ने कहा कि सतगुरु कबीर महाराज जी समानता, भाईचारे, जातिगत भेदभाव के उन्मूलन तथा सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। आयोग के कार्यालय में उनका स्वरूप स्थापित होने से समाज में सौहार्द, जागरूकता और प्रेरणा का संदेश और अधिक प्रभावी रूप में प्रसारित होगा। सोसायटी की ओर से बताया गया कि यह मांग सामाजिक जागरूकता को बढ़ाने, दलित

समाज को सम्मान दिलाने तथा संत समाज की शिक्षाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है। सोसायटी ने आशा जताई कि आयोग जल्द ही इस पर उचित निर्णय लेकर समाज में एक सकारात्मक संदेश देगा।

सोसाइटी ने उन्हें यह भी अवगत कराया कि जालंधर के 120 फीट रोड पर एकमात्र सतगुरु कबीर भवन का निर्माण चल रहा है, जो पूरे पंजाब के लिए आस्था और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने आयोग के

चेयरमैन से यह भी अनुरोध किया कि जब भी आप जालंधर आएँ, तो सतगुरु कबीर भवन अवश्य पधारें। सोसायटी ने कहा कि आपका आगमन हमारे लिए सम्मान की बात होगी और समाजहित के कार्यों पर सार्थक चर्चा करने का अवसर भी प्रदान करेगा।

इस मोके कुलदीप कुमार दीपू, विजय भगत, लाम चंद, गुरबचन जल्ला, ठाकुर भगत, लाडी भगत, अजय बब्बल पार्षद, आशु भागत, कमल भगत आदि विशेष तौर से उपस्थित थे।



युद्ध नशे के विरुद्ध-जालंधर के मोचियां मुहल्ला बस्ती शेव में नशा तस्कर की अवैध निर्माण ध्वस्त

मनदीप कौर

जालंधर, 24 नवंबर = पंजाब सरकार की नशा विरोधी मुहिम ‘युद्ध नशे के विरुद्ध’ के तहत जालंधर में आज एक और निर्णायक कार्रवाई करते हुए जालंधर नगर निगम ने जालंधर कमिश्नरेट पुलिस के सहयोग से स्थानीय मोचियां मुहल्ला, बस्ती शेख में कुख्यात नशा तस्कर की अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई नगर निगम और जालंधर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से की गई है। ज्वाइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस संदीप कुमार शर्मा ने स्वयं मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की निगरानी की। यह अवैध निर्माण विशाल उर्फ लोटा पुत्र पिका, निवासी मोचियां मुहल्ला, बस्ती शेख का था, जो थाना डिवीजन नंबर 5 के



अधिकार क्षेत्र में आता है। विशाल एक कुख्यात नशा तस्कर है, जिसके खिलाफ एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत पहले से ही 7 मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि जालंधर पुलिस द्वारा नशे से संबंधित कोई भी अवैध गतिविधि

पशुओं को सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर छोड़ने पर पाबंदी

रमन कुमार

जालंधर, 24 नवंबर- अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट अमनिंदर कौर द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए

आदेश जारी किए गए हैं कि जिला जालंधर (देहात) की सीमा के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति अपने पशु खुले तौर पर सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ेगा। यह आदेश जारी होने की तिथि से अगले दो महीने तक लागू रहेंगे।



प्रधानमंत्री ने विश्व मुक़ेबाजी कप फाइनल 2025 में शानदार, रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के लिए भारतीय एथलीटों को बधाई दी

एस . के . सक्सेना

नई दिल्ली, 24 नवंबर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व मुक़ेबाजी कप फाइनल 2025 में शानदार, रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के लिए भारत के एथलीटों को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एथलीटों ने 9 स्वर्ण सहित 20 पदक जीतकर आए। हमारे मुक़ेबाजों के संकल्प और दृढ़ निश्चय की वजह से यह हुआ है। उन्हें बधाई। आगे के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं

का श्रेय देश के मुक़ेबाजों के संकल्प, दृढ़ निश्चय और निरंतर भावना को दिया।

हमारे असाधारण एथलीटों ने विश्व मुक़ेबाजी कप फाइनल 2025 में शानदार, रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन किया! वे 9 स्वर्ण सहित 20 पदक जीतकर आए। हमारे मुक़ेबाजों के संकल्प और दृढ़ निश्चय की वजह से यह हुआ है। उन्हें बधाई। आगे के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं

झूठ बोलकर बच्ची को घर बुलाया फिर 13 साल की बच्ची के साथ बलात्कार और हत्या, आरोपी गिरफ्तार

मनदीप कौर

जालंधर-पंजाब के जालंधर से इंसानियत को शर्मसार करने वाली खबर सामने आई है. यहां 13 साल की बच्ची के साथ एक 45 साल के व्यक्ति ने रेप कर उसकी हत्या कर दी है. पंजाब से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां पर एक 45 साल के व्यक्ति ने 13 साल की लड़की का रेप कर उसकी हत्या कर दी

है.घटना के बाद पुलिस ने जब जांच शुरू की तो कई खुलासे हुए. लड़की की हत्या करने के बाद आरोपी ने लड़की के शव को बाथरूम में बंद कर दिया. लड़की के परिवार वाले उसे काफी समय से ढूँढ़ते रहे थे और जब वह उम्र नहीं मिली तो सीसीटीवी कैमरा चेक किया गया तो पता चला की लड़की आरोपी के घर गई थी और आरोपी ने उसके साथ रेप कर उसकी हत्या कर दी.

मंजीत सिंह, राजकुमार कालिया, रिशम अरोड़ा के साथ में सुशील रिकू को मांग पत्र सौंपा। सुशील रिकू ने मांग पत्र लेते हुए आश्वासन दिया है कि उनकी मांगों को लेकर वे रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात करेंगे और रेलवे बिड या अंडरपास बनवाया जाएगा।



पढ़ें भारत हर ख़बर सच के साथ

आज तक आमने-सामने

Email : aajtakaamnesaamne.in@gmail.com

हरियाणा ख़बरनामा

25 November 2025



एस. के. सक्सेना, मुख्य संपादक

साल 2025 / संपादक एसके सक्सेना / www.aajtakaamnesaamne.com / Help Line 9878552070



सराय में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में मेंटल हेल्थ और स्पोर्ट्स मेडिसिन कैंप का आयोजन

एस. के. सक्सेना

सोनीपत, वैद्य पण्डित प्रमोद कोशिक 24 नवंबर - एथलीटों और उभरते खिलाड़ियों को मेंटल हेल्थ बनाए रखने और खेल से संबंधित चोटों के महत्व के बारे में शिक्षित और प्रशिक्षित करने के लिए, आज यहां हरियाणा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, राय (सोनीपत) में मेंटल हेल्थ और स्पोर्ट्स मेडिसिन पर एक व्यापक कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का उद्घाटन हरियाणा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, राय (सोनीपत) के डीन ऑफ एकेडमिक्स डॉ. योगेश चंदर ने किया। इस कार्यक्रम में छात्रों, एथलीटों, स्पोर्ट्स कोचों, खिलाड़ियों, फिजियोथेरेपिस्टों और विभिन्न खेल संगठनों के सदस्यों सहित 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। पीजीआई, चंडीगढ़ के एसोसिएट प्रोफेसर, स्पोर्ट इंजरी, डॉ. हिमांशु भयाना; और पीजीआई, चंडीगढ़ के मनोरोग विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. असीम मेहरा ने खिलाड़ियों की जांच की और उन्हें खेल से संबंधित चोटों और उनके उचित प्रबंधन; और अच्छी मेंटल हेल्थ बनाए रखने के बारे में जानकारी दी। यह कहते हुए कि ऐसे कैंप उभरते खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद हैं, डॉ. हिमांशु भयाना ने कहा, फ्रैक्चरल कड़ी शारीरिक गतिविधि करते हैं और एक सख्त व्यायाम दिनचर्या का पालन करते हैं। इसलिए, खेल से संबंधित चोटों और उनके उचित प्रबंधन का अच्छा ज्ञान उनके लिए आवश्यक है। मैंने, एर

रिकॉन्स्ट्रक्शन सर्जरी, हाइड्रिड, एर सर्जरी, कीहोल आर्थोस्कोपी सर्जरी आदि के माध्यम से मेनिस्कस चोटों से पीड़ित कई खिलाड़ियों का इलाज किया है। सर्जरी के बाद, एथलीट बढ़ी हुई दक्षता के कारण बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हुए हैं। कीहोल आर्थोस्कोपी सर्जरी से तेजी से रिकवरी होती है और यह प्रक्रिया मरीजों को सर्जरी के अगले दिन चलने में सक्षम बनाती है। खिलाड़ियों को वार्म-अप, ड्रिल और कूल डाउन के सिद्धांत का भी पालन करना चाहिए। ये बुनियादी बातें परिणाम और मैदान पर बेहतर प्रदर्शन में सुधार करती हैं। खिलाड़ियों के पुनर्वास पर जोर देते हुए, डॉ. भयाना ने कहा, फ्रैक्चर/मेडिकल या नियंत्रित संतुलन व्यायाम महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये मांसपेशियों की शक्ति बनाने में मदद करते हैं। इन्हें अपनी दैनिक शारीरिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने से घुटने और कंधे की चोटों से बचने में मदद मिल सकती है। मेंटल हेल्थ के महत्व पर जोर देते हुए, डॉ. असीम मेहरा ने कहा, क्रतनाव, चिंता और दबाव खिलाड़ियों के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। यह उत्पादकता को भी प्रभावित करता है और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। संतुलन बनाए रखना और नकारात्मक विचारों को दूर रखने के लिए मेंटल हेल्थ व्यायाम करना महत्वपूर्ण है। ध्यान और योग का अभ्यास करें क्योंकि यह विचारों को स्थिर करने में मदद करता है।

मनदीप कौर

कुरुक्षेत्र, संजीव कुमारी 22 नवंबर - गुरुकुल कुरुक्षेत्र में शिक्षकों की भावनात्मक सुदृढ़ता तथा पेशेवर क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से एक एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत डायरेक्टर ब्रिगेडियर (जॉ.) परवीन कुमार शर्मा के प्रेरणादायक उद्बोधन से हुई। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और आज के तेजी से बदलते शैक्षिक वातावरण में तनाव प्रबंधन की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इसके बाद उन्होंने विशेष संसाधन व्यक्तियों सुश्री स्मृति जिंदल और सुश्री श्रुति कौशल का परिचय कराया, जो मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और समय विकास के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता के लिए जानी जाती हैं।

कार्यक्रम के दौरान संसाधन व्यक्तियों ने तनाव प्रबंधन पर विस्तृत सेमिनार प्रस्तुत किया। उन्होंने तनाव के मूल कारणों की पहचान, समय व कार्य प्रबंधन, सकारात्मक सोच, तथा श्वास-प्रश्वास एवं विश्राम तकनीकों जैसे व्यवहारिक उपायों पर जोर दिया। सेशन अत्यंत इंटरएक्टिव रहा, जिसमें शिक्षकों ने खुलकर भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। वास्तविक जीवन के उदाहरणों और सहभागिता-आधारित गतिविधियों ने सत्र को और भी प्रभावशाली बना दिया।

सत्र के दौरान वातावरण उत्साहपूर्ण और सकारात्मक रहा। दोनों विशेषज्ञों ने व्यक्तिगत और



व्यावसायिक जीवन में भावनात्मक संतुलन के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे स्वस्थ आवर्त अपनाकर तनावमुक्त और आनंदपूर्ण जीवन की ओर अग्रसर हों। सत्र के अंत में प्रधानाचार्य एवं वेंचू डायरेक्टर श्री सुबे प्रताप ने

हार्दिक धन्यवाद प्रस्ताव रखा। उन्होंने संसाधन व्यक्तियों का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन देने के लिए आभार व्यक्त किया तथा सभी शिक्षकों को उनके सक्रिय सहयोग और सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों के निरंतर व्यावसायिक

विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

समग्र रूप से यह कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ, जिसने शिक्षकों को अपने दैनिक जीवन में इन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।



सहरीयाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द कल्याण ने उत्तराखंड विधान सभा का किया दौरा

केप्टन सुभाष चंद शर्मा

चंडीगढ़, वैद्य पण्डित प्रमोद कोशिक 24 नवंबर - हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द कल्याण ने सोमवार को देहरादून पहुंच उत्तराखंड विधान सभा का अवलोकन किया। इस दौरान प्रभारी सचिव हेम पंत ने उनका स्वागत किया और संसदीय कामकाज तथा विधान सभा की कार्यप्रणाली पर चर्चा की।

इस दौरान विधान सभा समितियों के कामकाज, विधान सभा स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया, रिसर्च विंग, नेवा इत्यादि विषयों पर चर्चा हुई। उत्तराखंड विधान

सभा के प्रभारी सचिव हेम पंत ने बताया कि उत्तराखंड विधान सभा में गत दो सत्रों से नेवा के तहत पेपरलैस कार्यवाही शुरू की गई है।

इस दौरान अध्यक्ष हरविन्द कल्याण ने उत्तराखंड विधान सभा का सदन और पुस्तकालय भी देखे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड विधान सभा के संसदीय कामकाज बारे ऐसे कदम आदर्श परंपरा स्थापित करने तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था के हित में हैं। देहरादून में सोमवार को उत्तराखंड विधान सभा का अवलोकन करते हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द कल्याण।

हरियाणा द्वारा श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन का स्वागत किया गया

पंकज

फरीदाबाद 24 नवंबर, 2025 - कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), क्षेत्रीय कार्यालय, हरियाणा, श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा 21 नवंबर, 2025 से चार श्रम संहिताओं (वेलन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता

और व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता) को लागू करने की ऐतिहासिक घोषणा का हार्दिक स्वागत करता है। यह कदम देश के श्रमबल के लिए बेहतर वेतन, सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के एक नए युग की शुरुआत करता है। क्षेत्रीय निदेशक श्री सुगन लाल मीना का मानना है कि इन संहिताओं से ईएसआईसी

कवरेज में अभूतपूर्व विस्तार होगा, उन्होंने निम्न बिंदुओं पर चर्चा की - सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के लागू होने से हरियाणा के श्रमिकों को मिलने वाले ईएसआईसी कवरेज और लाभों में एक महत्वपूर्ण विस्तार होगा। ज गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को शामिल करना- अब, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों सहित

सभी कामगारों को सामाजिक सुरक्षा कवरेज के दायरे में लाया जाएगा। अनिवार्य स्वास्थ्य जांच- नियोजकों को 40 साल से अधिक उम्र के सभी कर्मचारियों के लिए सालाना मुफ्त स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान करना अनिवार्य होगा। ईएसआईसी का विस्तार- ईएसआईसी कवरेज पूरे देश में बढ़ाया गया है। 10 से कम

कर्मचारियों वाली जगहों के लिए कवरेज सैद्धिक होगा, जबकि खतरनाक कार्यों में लगे एक भी कर्मचारी वाली जगहों के लिए यह अनिवार्य होगा। अनुबंध कामगारों को लाभ- मुख्य नियोजक अनुबंध कामगारों को स्वास्थ्य लाभ और सामाजिक सुरक्षा लाभ देगा, और उन्हें सालाना मुफ्त स्वास्थ्य जांच सुविधा मिलेगी।

परम पूजनीय देवी जी पट्टी वालों के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में

माता वैष्णो देवी जी की असीम कृपा से

मन्दिर माता वैष्णों देवी

मोहल्ला गोबिन्दगढ़, जालन्धर

में देवी जी पट्टी वालों का

75 वां जन्मदिवस

2 दिसम्बर 2025, दिन मंगलवार

सुबह 11.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक

बड़ी श्रद्धापूर्वक मनाया जा रहा है।

Live Telecast

AAJ TAK AMNE SAAMNE

Helpline: 98785-52070 | 81461-07666

आप सभी भक्तजनों से अनुरोध है की इस शुभ अवसर पर परिवार सहित पहुँच कर देवी जी का आशीर्वाद प्राप्त करें। इस शुभ अवसर पर देवी जी के भक्त **नीटू चंचल (केथल वाले)** माहामाई का गुणगान करेंगे।

दर्शनाभिलाषी प्रबंधक कमेटी, मन्दिर माता वैष्णों देवी (रजि.) ई जी 1020, मोहल्ला गोबिन्दगढ़, जालन्धर

98554-34131, 98150-35113

MannMediciti
SUPER SPECIALITY HOSPITAL

MannMediciti
SUPER SPECIALITY HOSPITAL

Dr. J.S. Mann (MD)
Managing Director

Facilities Available

- Cardiology
- Cardiothoracic Surgery
- Neurology
- Neuro Surgery
- Urology & Transplant Surgery
- Gastroenterology
- Nephrology
- Orthopaedics & Joint Repacement
- Gynaecology and Obst
- Infertility Clinic
- General Surgery
- Medicine
- Pathology
- Radiology
- Plastic and Cosmetic Surgery
- Physiotherapy
- Interventional Radiology
- Dietetics

24x7 Emergency Services

Helpline: 78520-00010

Adda Khambra, Near TV Tower, Nakodar Road, Jalandhar.

mannmediciti@gmail.com | www.mannmediciti.com



केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने आज दिल्ली में गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान को नमन कर मत्था टेका।

श्रमिकों में से 99.67 प्रतिशत का आधार सीडिंग पूर्ण; पारदर्शिता, दक्षता और सेवाओं में सुधार के लिए ई-केवाईसी एकीकरण

रमन कुमार

नई दिल्ली, 24 नवंबर-ग्रामीण विकास मंत्रालय महत्वा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सतत प्रयासरत है। ताकि ग्रामीण परिवार इस अधिनियम के प्रावधानों का लाभ प्राप्त कर सकें। मनरेगा का दायरा बहुत बड़ा है। इसमें देश भर के 2.69 लाख ग्राम पंचायतों में 26 करोड़ से अधिक पंजीकृत श्रमिक हैं। अधिनियम के अनुसूची-द्विष्ट के पैरा 2 के अनुसार प्रग्राम पंचायत का यह कर्तव्य होगा कि वह आवश्यक जांच के बाद आवेदन प्राप्त होने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर एक जाँच कार्ड जारी करे। इसमें एक विशिष्ट जाँच कार्ड नंबर, पंजीकरण संख्या, बीमा पॉलिसी संख्या और आधार संख्या (यदि उपलब्ध हो) का उल्लेख हो। इसके अलावा अनुसूची-द्विष्ट के पैरा 3 में कहा गया है कि प्रजाब कार्ड का नवीनीकरण प्रत्येक पाँच वर्ष बाद सत्यापन के उपरांत किया जाएगा। जाँच कार्ड से संबंधित

गतिविधियाँ-जैसे जारी करना, सत्यापन और नवीनीकरण-राज्य सरकारों की जिम्मेदारी हैं। इन्हें ग्राम पंचायत जैसी पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से पूरा किया जाता है। जाँच कार्ड सत्यापन एक निरंतर प्रक्रिया है, जबकि जाँच कार्ड का नवीनीकरण पाँच वर्षों में एक बार किया जाता है। इन वैधानिक प्रक्रियाओं को सरल और समर्थ बनाने हेतु राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी गई है कि वे एनएएमएस (राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली) ऐप में उपलब्ध ई-केवाईसी सुविधा का उपयोग जाँच कार्ड सत्यापन और निर्धारित प्रक्रिया के बाद नवीनीकरण के लिए करें। यह सुविधा राज्यों को समयबद्ध, पारदर्शी और कुशल तरीके से सत्यापन पूरा करने में मदद करेगी। चूँकि 99.67 प्रतिशत सक्रिय श्रमिकों के आधार पहले से ही जोड़े जा चुके हैं, इसलिए ई-केवाईसी जाँच कार्ड सत्यापन का सरल, विश्वसनीय, सटीक और प्रभावी तरीका हो सकता है। ई-केवाईसी प्रक्रिया के दौरान ग्राम रोजगार सहायक/कार्यस्थल पर्यवेक्षक/मेट/अन्य

ग्राम पंचायत स्तरीय अधिकारी, एनएएमएस ऐप के ई-केवाईसी फीचर के माध्यम से मनरेगा श्रमिक की तस्वीर लेते हैं। इसे वास्तविक समय में आधार विवरण से डिजिटल रूप से सत्यापित किया जाता है। एक श्रमिक का पूरा प्रोसेस एक मिनट से भी कम समय में पूरा हो जाता है। राज्यों को निर्देश दिया गया है कि नेटवर्क कनेक्टिविटी जैसी समस्याएँ दूर कर प्रक्रिया को यथासंभव सुगम बनाया जाए। ई-केवाईसी कहीं भी किया जा सकता है, जिसे राज्य तय करे - कार्यस्थल पर, ग्राम पंचायत द्वारा आयोजित विशेष शिविरों में। यह एक प्रगतिशील कदम है जिसका उद्देश्य मनरेगा में पारदर्शिता, दक्षता और सेवा प्रदान में आसानी को बढ़ाना है। राज्यों और जमीनी स्तर के कार्मिकों को प्रक्रिया सुचारु रूप से चलाने हेतु पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित व संवेदनशील बनाया गया है। अभी तक राज्यों ने 56 प्रतिशत से अधिक सक्रिय श्रमिकों का ई-केवाईसी पूरा कर लिया है। मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और

जवाबदेही बनी रहे और प्रत्येक वास्तविक श्रमिक के अधिकार सुरक्षित रहें और उन्हें बिना किसी व्यवधान के अधिनियम के अंतर्गत अपनी वैधानिक मजदूरी-रोजगार प्राप्त होता रहे। जहाँ तक जाँच कार्ड/श्रमिकों के हटाने (डिलीशन) का संबंध है। मंत्रालय ने 24 जनवरी 2025 को एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एस ओ पी) जारी की थी। इस एस ओ पी में राज्यों के लिए स्पष्ट, एकरूप और पारदर्शी दिशा-निर्देश दिए गए हैं ताकि जाँच कार्ड रिकॉर्ड के प्रबंधन में निष्पक्षता, जवाबदेही और श्रमिकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। मनमाने या गलत तरीके से हटाने को रोकने के लिए एस ओ पी में पर्याप्त सुरक्षा उपाय शामिल किए गए हैं। इस एस ओ पी का कड़ाई से पालन करना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है और मंत्रालय इसकी कड़ी निगरानी करता है। मंत्रालय प्रतिबद्ध है कि सभी इच्छुक ग्रामीण परिवारों को मनरेगा के अंतर्गत उनके अधिकार सुनिश्चित हों और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनी रहे।

350वें शहीदी दिवस को समर्पित बाबा बुद्धा दल छावनी में करवाया विशेष कवि, ढाडी एवं कविशर दरबार

प्रसिद्ध कवियों, ढाडी और कविशरी जत्थों ने संगतों में भरा जोश

मनदीप कौर

श्री आनंदपुर साहिब/चंडीगढ़, 24 नवंबर- श्री गुरु तेग बहादुर जी, भाई मती दास जी, भाई सती दास जी तथा भाई दयाला जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित श्री आनंदपुर साहिब में पंजाब सरकार द्वारा आयोजित समागमों की श्रृंखला के तहत आज बाबा बुद्धा दल छावनी के मुख्य पंडाल में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हजुरी में गुरु साहिब के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित विशेष कवि, ढाडी तथा कविशर दरबार सजाया गया। इस मौके पर प्रसिद्ध कवियों, ढाडियों और कविशरों ने संगतों को निहाल कर दिया। कवि दरबार में रघुपाल सिंह पाल, कर्मजीत सिंह, मनजीत कौर, जमीर अली, शुभम मंगला और हरी सिंह ने अपनी हाजिरी लगवाई। इसी तरह ढाडी एवं कविशर दरबार में जिन प्रसिद्ध ढाडी और कविशरी जत्थों ने कविशरी और वारों के माध्यम से संगतों में जोश भरा, उनमें ढाडी गुरप्रीत सिंह लांडरा, कविशर गुरजट सिंह बैंका तथा ढाडी तरसेम सिंह मोरांवली के जत्थे



शामिल थे। इस अवसर पर पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामले विभाग, पंजाब के सलाहकार दीपक बाली, सचिव डॉ. अभिनव त्रिखा,

डायरेक्टर संजीव तिवाड़ी तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। स्टेज सचिव की सेवा ज्ञानी भगवान सिंह जौहल

तथा भाई प्रीतम सिंह ने निभाई। कल 25 नवंबर को इसी पंडाल में आत्मरस कीर्तन दरबार तथा सरबत दे भले की एकत्रता होगी।

MELA

LIVE. TELECAST TV

Sabse Fast Hamne Saamne

Helpline No. 98785-52070

STAR AWARD

CELEBRATING EXCELLENCE IN ENTERTAINMENT

COMING SOON

2025,26

Presented by

SK.Saxena

CONT-8146-10-7666



वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा श्री आनंदपुर साहिब में बुलाये गये ऐतिहासिक विधान सभा सत्र के दौरान श्री गुरु तेग बहादुर जी को श्रद्धांजलि भेंट

मनदीप कौर

श्री आनंदपुर साहिब, 24 नवंबर— श्री आनंदपुर साहिब में भाई जैता जी स्मारक पर बुलाये गये पंजाब विधान सभा के ऐतिहासिक विशेष सत्र को संबोधित करते हुए पंजाब के वित्त मंत्री श्री हरपाल सिंह चीमा ने नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। ‘रंगरेटा गुरु का बेटा’ भाई जैता जी को समर्पित इस स्थान से संबोधन करते हुए वित्त मंत्री ने गुरु साहिब की अनुपम शहादत को मानव इतिहास में सर्वोच्च बताया और कहा कि गुरु साहिब ने दूसरे धर्म और मानव अधिकारों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। सदन में अपने संबोधन के दौरान एडवोकेट चीमा ने सिख इतिहास में बलिदान की अनुपम परंपरा का जिक्र करते हुए श्री गुरु अर्जन देव जी से शुरू होकर चार पीढ़ियों तक चले बलिदानों को याद किया, जिसमें गुरु अर्जुन देव जी के बाद

श्री गुरु तेग बहादुर जी, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी, माता गुजरी जी और चार साहिबजादों ने अपनी शहादत दी। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी इतिहास में अभी तक ऐसा इतिहास नहीं पढ़ा जिसमें शांति, एकता और सभी के अन्य वक्ताओं द्वारा दिए गए हवालों का जिक्र करते हुए उन्होंने जातीय आधार पर हो रहे अत्याचारों को उजागर किया। श्री चीमा ने कहा कि पंजाब को भी सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है, जिसमें प्रदेश की की विरासत को प्रतीकात्मक पहल के साथ—साथ विधायी कार्रवाई के द्वारा सम्मान देने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सराहना की। उन्होंने ‘आप’ सरकार द्वारा पेश किए गए पंजाब लॉ ऑफिसर्स बिल की महत्ता पर प्रकाश डाला, जो हाईकोर्ट में हाशिए पर रहे समुदायों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि यह वह कदम है जो पिछले 75 वर्षों में नहीं उठया गया। श्री चीमा ने इस बात पर भी गर्व जताया कि यह सत्र भाई जैता जी की यादगार पर आयोजित किया गया है और यह कदम उन वीर योद्धाओं को बनता सम्मान देता है जिन्होंने गुरु साहिब का पूरी निष्ठा से साथ दिया। अंत में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने इस पवित्र धरती पर विधान सभा सत्र करवाने की उठ रही चुनौतियों का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि गुरु साहिबान की शिक्षाओं का पालन करते हुए पंजाब के तीन करोड़ लोग देश की एकता व अखंडता की रक्षा के लिए कटिबद्ध हैं और प्रदेश के हकों के लिए दृढ़ता से लड़ेंगे। वित्त मंत्री ने भाई जैता जी

अमन अरोड़ा ने गुरु जी की शहादत को देश को एकजुट करने वाली प्रेरणा बताया

केप्टन सुभाष चंद्र शर्मा

श्री आनंदपुर साहिब/चंडीगढ़, 24 नवंबर— श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित पंजाब विधान सभा के आज यहां आयोजित एक दिवसीय विशेष सत्र में पंजाब के कैबिनेट मंत्री तथा आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने नौवें पातशाह की अनुपम शहादत को सिजदा करते हुए कहा कि सदियों पहले गुरु



उन्होंने कहा कि गुरु जी का बलिदान हमें आपसी भाईचारा, सर्वधर्म सम्मान और मानवीय मूल्यों की रक्षा का संदेश देता है, इसी कारण गुरु जी के ‘हिंद दी चादर’ कहा जाता है। उन्होंने बताया कि गुरु साहिब के सच्चे सिख श्रद्धालु भाई मती दास जी के आरे से घेरा गया, भाई सती दास जी के जिंदा जलाया गया और भाई दयाला जी के जिंदा उबाला दिया गया, लेकिन फिर भी उनका विश्वास तनिक भी नहीं डोला, जो इतिहास के पन्नों में सदैव अमिट रहेगा।

कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर आज होगा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आगमन

हिन्द की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर आयोजित राज्यस्तरीय समागम में करेंगे शिरकत

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, 24 नवंबर — हरियाणा सरकार द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस पर आज ज्योतिसर (कुरुक्षेत्र) में राज्यस्तरीय समागम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कुरुक्षेत्र पहुंचकर गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सहित अन्य मंत्रीगण व गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ज्योतिसर स्थित महाभारत अनुभव केंद्र का लोकार्पण करेंगे और साथ ही, अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान पवित्र ब्रह्मसरोवर पर महाआरती में भी भाग लेंगे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को समागम कार्यक्रम स्थल का दौरा किया और मुख्य स्थल और मंच, संगत स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग और आगंतुकों की सुविधाओं का जायजा लिया। इसके अलावा, उन्होंने प्रदर्शनी स्थल समेत सभी महत्वपूर्ण जगहों पर चल रही तैयारियों की स्थिति देखी और अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी तरह दुरुस्त होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रबंधन, रूट प्लान, बैठने की व्यवस्था और तकनीकी तैयारियों में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय से काम करें ताकि समागम में आने वाले लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो। श्री नायब सिंह सैनी ने ब्रह्मसरोवर स्थित पुरुषोत्तम बाग पहुंचकर भी कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और चल रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था सहित कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आरती स्थल समेत अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाकर तैयारियों का बारीकी से आकलन किया। निरीक्षण के उपरांत,



मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के तहत विभिन्न देशों द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का भी अवलोकन किया। स्टॉल्स पर पहुंचने पर, विदेशी व्यापारियों और मेहमानों ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का गर्मजोशी से %नमस्ते% कहकर अभिवादन किया। धर्म की रक्षा के लिए श्री गुरु तेग बहादुर जी ने औरंगजेब के अत्याचारों के विरुद्ध दृढ़ता से खड़े होकर अपना शीश न्योछावर किया। भाई दयाला जी, भाई सती दास जी और भाई मती दास जी जैसे उनके श्रद्धालुओं ने भी अद्वितीय बलिदान दिए। कुरुक्षेत्र में हो रहा यह समागम इसलिए भी खास है कि इस पावन भूमि पर आठ गुरु साहिबानों ने अपने पावन चरण रखे। प्रदेश में लगभग 28 ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब गुरुओं की स्मृतियों को संजोए हुए हैं। 1 नवंबर, 2025 से प्रदेशभर में श्री गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और प्रदेश के चारों कोनों से चार यात्राओं का भी आयोजन किया गया और गुरुओं की

शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रमों की इसी कड़ी में आज कुरुक्षेत्र में भव्य समागम का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पवित्र ज्योतिसर में स्थापित अनुभव केंद्र का भी अवलोकन करेंगे। इसके अलावा, यहां भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य शंख पांचजन्य का भी लोकार्पण करेंगे। यह अवसर हरियाणा की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करेगी। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की ‘स्वदेश दर्शन’ योजना के अंतर्गत अनुभव का भी अवलोकन करेंगे। इस महोत्सव में देश-विदेश से आए विद्वान, कलाकार और संस्कृत एवं अध्यात्म के साधक एकत्र होकर गीता के ज्ञान और कर्म के संदेश को साझा करते हैं। पवित्र ब्रह्मसरोवर के तट पर दीपों की लौ, वेद मंत्रों की गूंज और आस्था की उमंग के बीच होने वाली महाआरती भारत की आध्यात्मिक विरासत और कुरुक्षेत्र की वैश्विक पहचान को और अधिक गौरवान्वित करेगी।

पांचजन्य के सम्मान में पांचजन्य स्मारक का निर्माण किया गया है, जो धर्म और सत्य की विजय का प्रतीक है। यह विशाल शंख लगभग 5 से 5.5 टन वजनी और 4 से 5 मीटर ऊंचा है। कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर भव्य रूप से आयोजित हो रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पवित्र ब्रह्मसरोवर पर होने वाली महाआरती में भी शामिल होंगे। गीता महोत्सव, जो भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेश ‘श्रीमद्भगवद्गीता’ के ज्ञान का वैश्विक उत्सव है, हर वर्ष लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है। इस महोत्सव में देश-विदेश से आए विद्वान, कलाकार और संस्कृत एवं अध्यात्म के साधक एकत्र होकर गीता के ज्ञान और कर्म के संदेश को साझा करते हैं। पवित्र ब्रह्मसरोवर के तट पर दीपों की लौ, वेद मंत्रों की गूंज और आस्था की उमंग के बीच होने वाली महाआरती भारत की आध्यात्मिक विरासत और कुरुक्षेत्र की वैश्विक पहचान को और अधिक गौरवान्वित करेगी।



Coming Soon



ADALAT JANTA

KI

HAMNE SAAMNE

with



S.K. Saxena

HELP LINE NO. 9878-55-2070, 8146-10-7666



तिलक जंजू के रखवाले, हिंद की चादर

श्री गुरु तेग बहादुर जी

के 350वें शहीदी दिवस पर

कोटि कोटि प्रणाम

वाहिगुरु जी आपके जीवन में नाम,
वाणी और खुशियों का प्रकाश करें



श्री एस. के. सक्सेना
मुख्य संपादक और एम. डी.



हैल्पलाइन नंबर

81461-07666, 98785-52070



श्रीमति मनदीप कौर
डायरेक्टर आमने सामने